श्री सुजीत कुमार, मुख्य विकास अधिकारी, फिरोजाबाद द्वारा दिनांक 06–7–2015 को किए गये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिरसागंज के निरीक्षण की टिप्पणीः

———————

पूर्वा0 9.30 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिरसागंज का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। डा0 मुशीर अहमद, अधीक्षक अपने अधीनस्थ स्टाफ के साथ कार्यरत मिले।

वायोमैट्रिक मशीन में माह जून,2015 की उपस्थितिः

जून,2015 में वायोमैट्रिक मशीन से उपलब्ध विवरण के अनुसार डा0 मुशीर अहमद अधीक्षक 10 दिवस, डा0 अमित कुमार सिंह मैडिकल ऑफिसर 11 दिवस, अनुज वर्मा स्टाफ नर्स 10 दिवस, सरिता स्टाफ नर्स 12 दिवस एवं श्री तोरन सिंह नेत्र परीक्षण अधिकारी सर्वाधिक 25 दिवस अनुपस्थित हैं। अन्य स्टाफ 6 व 6 से कम दिवस अनुपस्थित रहा है। चिकित्सा अधीक्षक ने बताया माह में 4 रविवार है एवं शेष दिनों के सम्बन्ध में उनके द्वारा प्रस्तुत आख्या के अनुसार कर्मचारी आकस्मिक अवकाश, पर रहे हैं। कमचारियों एवं अधीक्षक से वार्ता करने पर श्री तोरन सिंह नेत्र परीक्षण अधिकारी को छोडकर सामान्यतः अन्य कर्मचारियों द्वारा संतोषजनक उत्तर दिए गये।

श्री तोरन सिंह नेत्र परीक्षण अधिकारी के सम्बन्ध में आख्या प्रस्तुत करते हुए अधीक्षक ने अवगत कराया कि माह जून में यह 22 दिन के उपार्जित अवकाश पर थे। उपस्थित श्री तोरन सिंह नेत्र परीक्षण अधिकारी ने बताया कि उन्हें आवासीय विद्यालयों में बच्चों के नेत्र परीक्षण हेतु जाना होता हैं। इनसे यह पूछे जाने पर जनपद में कितने आवासीय विद्यालय हैं, जहां आप जाते हैं, तो इन्हें आवासीय विद्यालय मालूम ही नहीं थे। पूछने पर इन्होंने बताया कि अभी तक पैढत स्थिति ए0टी0एस0 विद्यालय में यह नेत्र परीक्षण हेतु गये ही नहीं है। बताया कि कस्तूरवा विद्यालय एवं ए0टी0एस0 बजीरपुर जेहलपुर गये हैं। इनकी व्यक्तिगत पत्रावलीजिसकी छाया प्रति चिकित्सा अधीक्षक द्वारा उपलब्ध कराई गई, का अवलोकन करने पर विदित हुआ कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी के आदेश संख्या 198/2014 दिनांक 26 सितम्बर, 2014 द्वारा इन्हें ओ0पी0डी0 के अतिरिक्त प्रति सप्ताह मंगलार, बुद्धवार व शुक्रवार को समस्त आवासी विद्यालयों में 8 से 14 वर्ष के स्कूली बच्चों का नेत्र परीक्षण कर चस्मा आदि उपलब्ध कराये जाने के आदेश किए गये हैं। यह आश्चर्यजनक है कि आदेश के 9 माह बाद भी इन्हें आवासीय विद्यालय ज्ञात नहीं है और ए0टी0एस0 पैढंत में नेत्र परीक्षण करने हेतु इन्हें समय ही नहीं मिल पाया है। इनकी व्यक्तिगत पत्रावली में अनाधिकृत अनुपस्थित रहने से सम्बन्धित चिकित्सा अधीक्षक द्वारा लिखे गये पत्र रक्षित हैं। उपरोक्त स्थिति से परिलक्षित होता है कि श्री तोरन सिंह, चिकित्सालय में कम ही उपलब्ध रहते हैं और आवासी विद्यालयों में नेत्र परीक्षण करने सम्बन्धी आदेशों का अनुपालन भी ठीक प्रकार से नहीं कर रहें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी फिरोजाबाद श्री सिंह की अपने कार्य के

लापरवाही एवं कार्य से अनुपस्थिति रहने की स्थिति का परीक्षण कर समुचित कार्यवाही करते हुए आख्या प्रस्तुत करें।

(कार्यवाही– मुख्य विकास अधिकारी)

ओ0पी0डी0 में मरीजों की संख्या काफी कम थी। चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि वह चिकित्सकों को ओ0पी0डी0 में नियमित बैठायें ताकि मरीज उनका लाभ प्राप्त कर सकें। औषधि कक्ष का निरीक्षण करते हुए दवाओं की उपब्धतता एवं उनके रख–र.खाव तथा वितरण के सम्बन्ध में निर्देश दिए गये हैं। डिलीवरी रूम में अत्यधिक गन्दगी थी। उपकरण का रख–रखाव भी ठीक ढंग से नहीं पाया गया। उपस्थित कर्मचारियों व सी0एम0एस0 को निर्देशित किया गया है कि डिलीवरी रूम को पूर्णतः स्वच्छ रखा जाय तथा उपकरणों को स्टेलाइजर कर सुरक्षित ढंग से साफ–सुथरा रखें। डॉट्स कक्ष एवं पुरूष व महिला वार्ड में गन्दगी थी तथा बैंडों पर गन्दे चादर विछे हुए थे। चिकित्सालय के शौचालय में भी अत्यधिक गन्दगी पायी गई। चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि शौचालयों एवं वार्डो में प्रतिदिन नियमित रूप से विधिवत् सफाई सुनिश्चित कराते हुए फिनाइल से सफाई करायें। स्वयं प्रतिदिन चिकित्सालय में सफाई व्यवस्था, चिकित्सकों एवं अन्य स्टाफ की समय से उनके कार्य स्थल पर स्वयं निरीक्षण करें।

(कार्यवाही– चिकित्सा अधीक्षक सिरसांगज)

(सुजीत कुमार)
मुख्य विकास अधिकारी
फिरोजाबाद।

कार्यालय मुख्य विकास अधिकारी फिरोजाबाद।

पत्रांक 113 /एसटी0 दिनांकः 10-07-15

प्रतिलिपिः निम्नांकित की सेवा में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः

1– जिलाधिकारी फिरोजाबाद की सेवा में उनके पत्र संख्या 2386/ओएसडी–आफी–18–मिस दिनांक 3 जुलाई,2015 के क्रम में अवलोकनार्थ प्रेषित।
2– मुख्य चिकित्साधिकारी फिरोजाबाद।
3– चिकित्सा अधीक्षक, सिरसागंज।

मुख्य विकास अधिकारी
फिरोजाबाद।